अशरफ़ - उड़ने वाली मशीन

Ashraf

फातिमा अकीलू

चित्रांकनः मुस्तफा बुलामा

अनुवादः अरविन्द गुप्ता

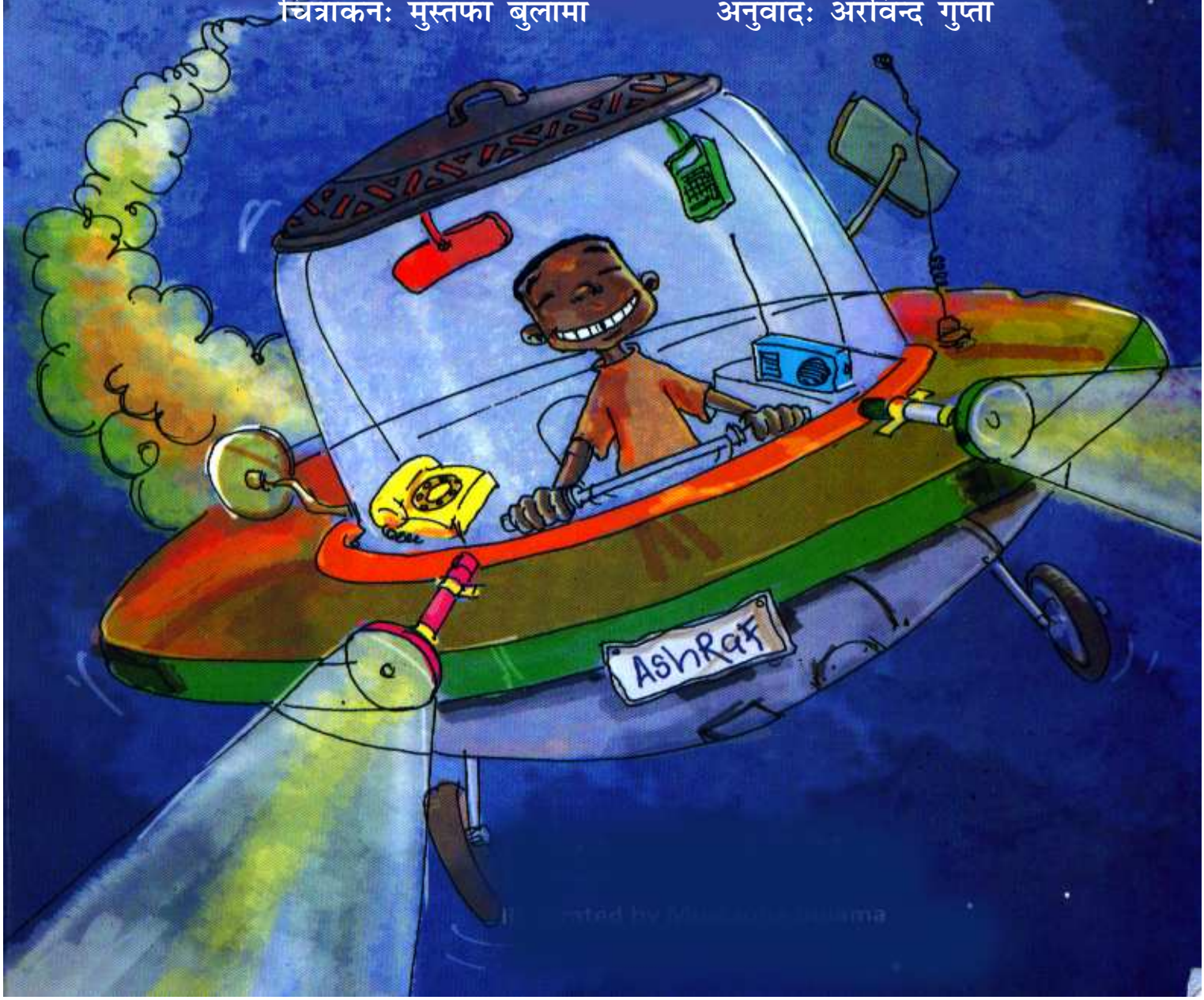

A Mockingbird Book 2011
Text © Fatima Akilu
Illustrated by Mustapha Bulama
Edited by Jennyfer Cowan
Ashraf The Flying Saucer

Printed in Nigeria by www.pestherbrands.com

National Library of Nigeria Cataloguing in Publication Data
ISBN: 978-978-50349-3-6

All rights reserved
No part of this publication may be reproduced,
stored or transmitted in any form without the permission
of the author.

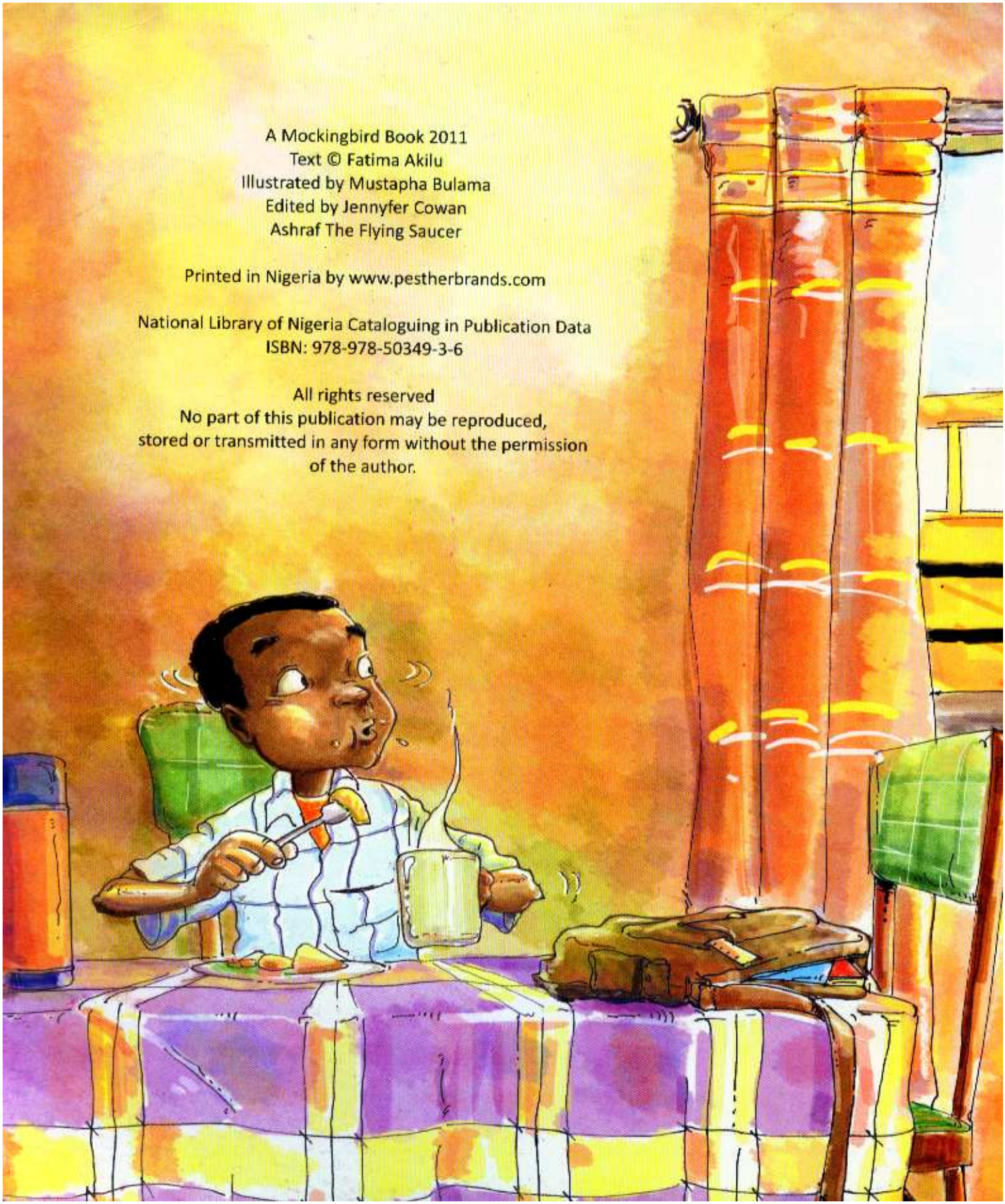

अशरफ -
उड़ने वाली मशीन

फातिमा अकीलू
चित्रांकनः मुस्तफा बुलामा
अनुवादः अरविन्द गुप्ता

Mocking
Mockingbird Books

वो दिन भी अन्य दिनों जैसे ही शुरू हुआ। पर आज अशरफ एकदम जल्दी में था। उसने झटपट नाश्ता करके अपना बस्ता उठाया और स्कूल की बस पकड़ने के लिए दौड़ा।

बाकी और काम धीरे-धीरे चल रहे थे। उसने देखा कि बस की ड्राईवर अडा के पैर बड़ी मुश्किल तमाम पैडल तक पहुंच रहे थे। सुबह के समय अडा स्कूल पहुंचने में देरी कर रही थी।

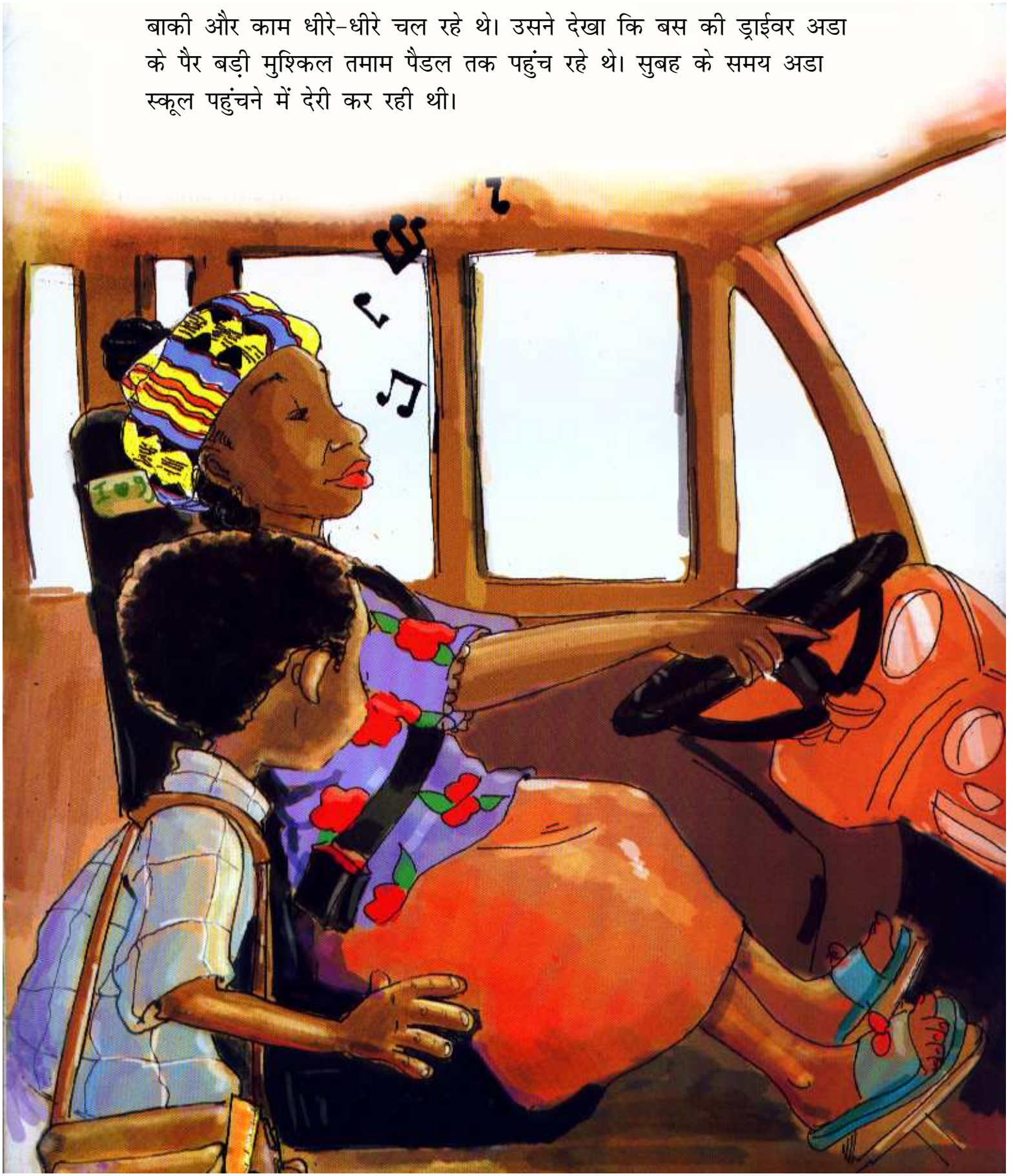

जैसी ही अशरफ को स्कूल की इमारत दिखाई दी वो झट से बस के दरवाजे की ओर लपका।

'इतनी जल्दी नहीं,' अडा चिल्लाई।

'बस के पूरी तरह रुकने तक इंतजार करो।'

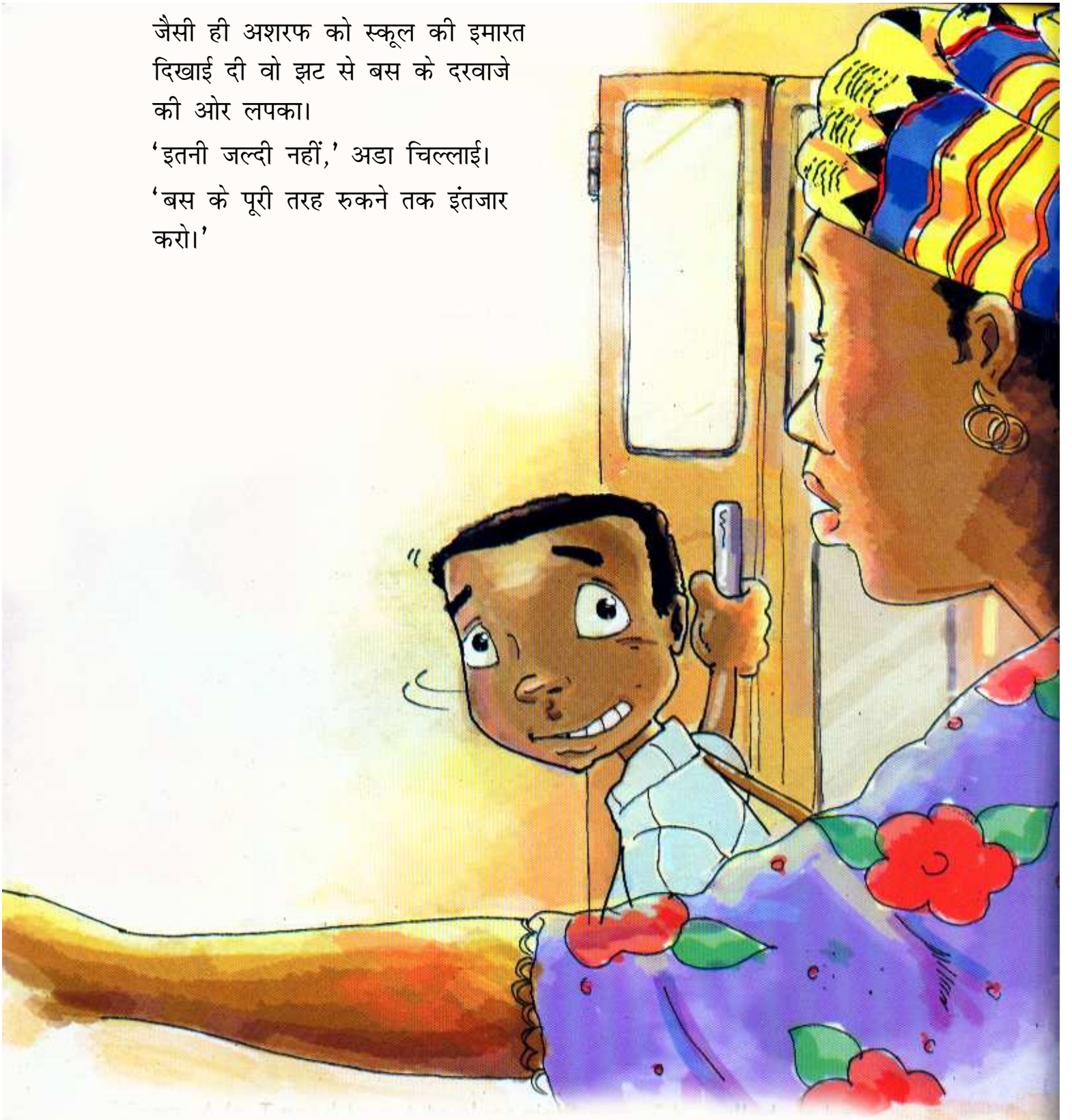

'माफ करो, अडा, पर मुझे क्लास में तुरन्त पहुंचना है,' अशरफ ने कहा। फिर वो बस से कूद कर क्लास की ओर दौड़ा।

पहला पीरियड विज्ञान का था, पर अशरफ का ध्यान कहीं और ही था। उसकी निगाहें घड़ी को ओर थीं। वो 11 बजे वाली पहली छुट्टी का इंतजार कर रहा था।

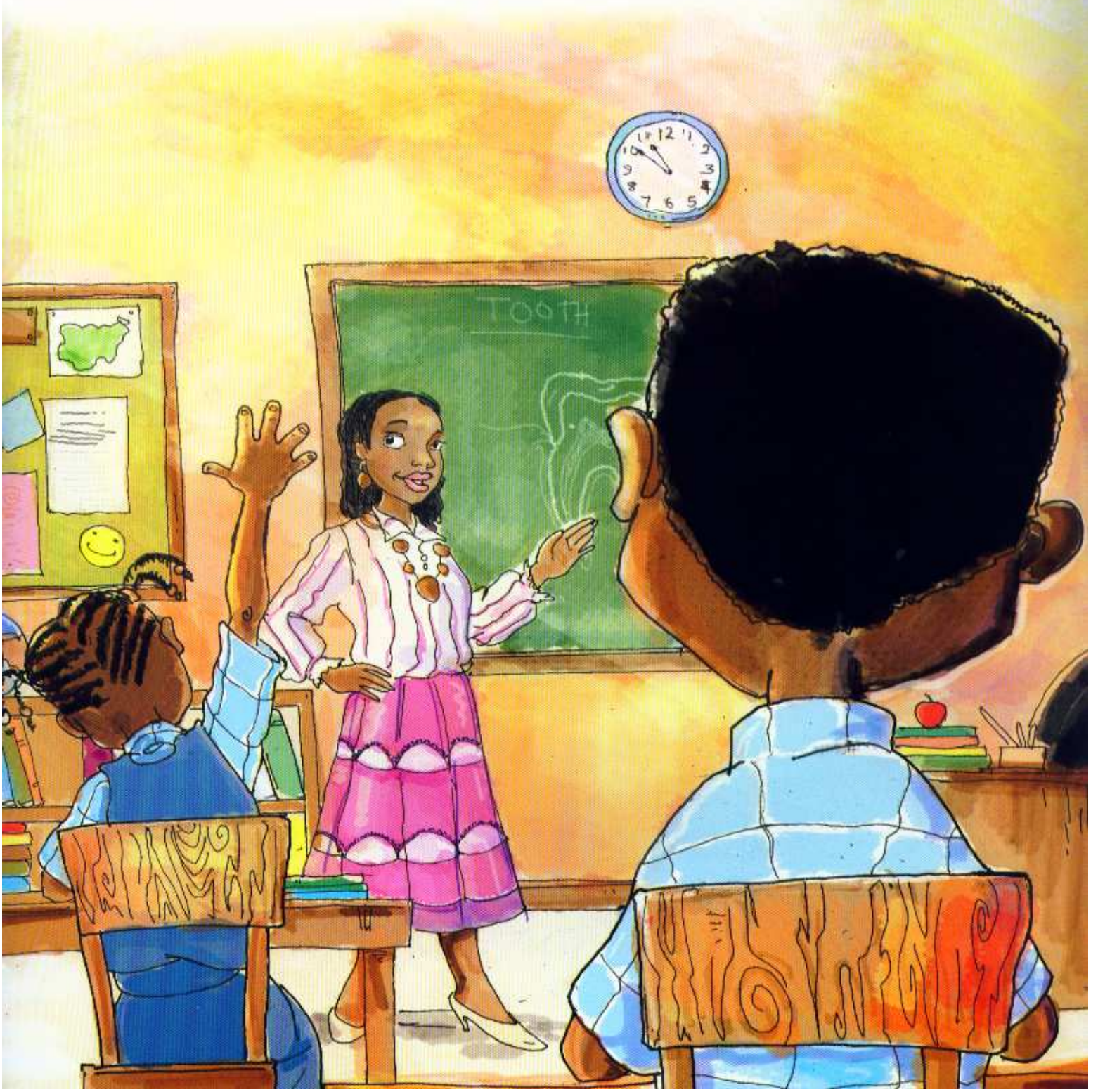

घंटी बजते ही अशरफ सीधे मैदान में दौड़ कर गया। 'यूजीन, क्या तुम स्कूल की छुट्टी के बाद हवाईजहाज में उड़ने के लिए मेरे घर आओगे?'

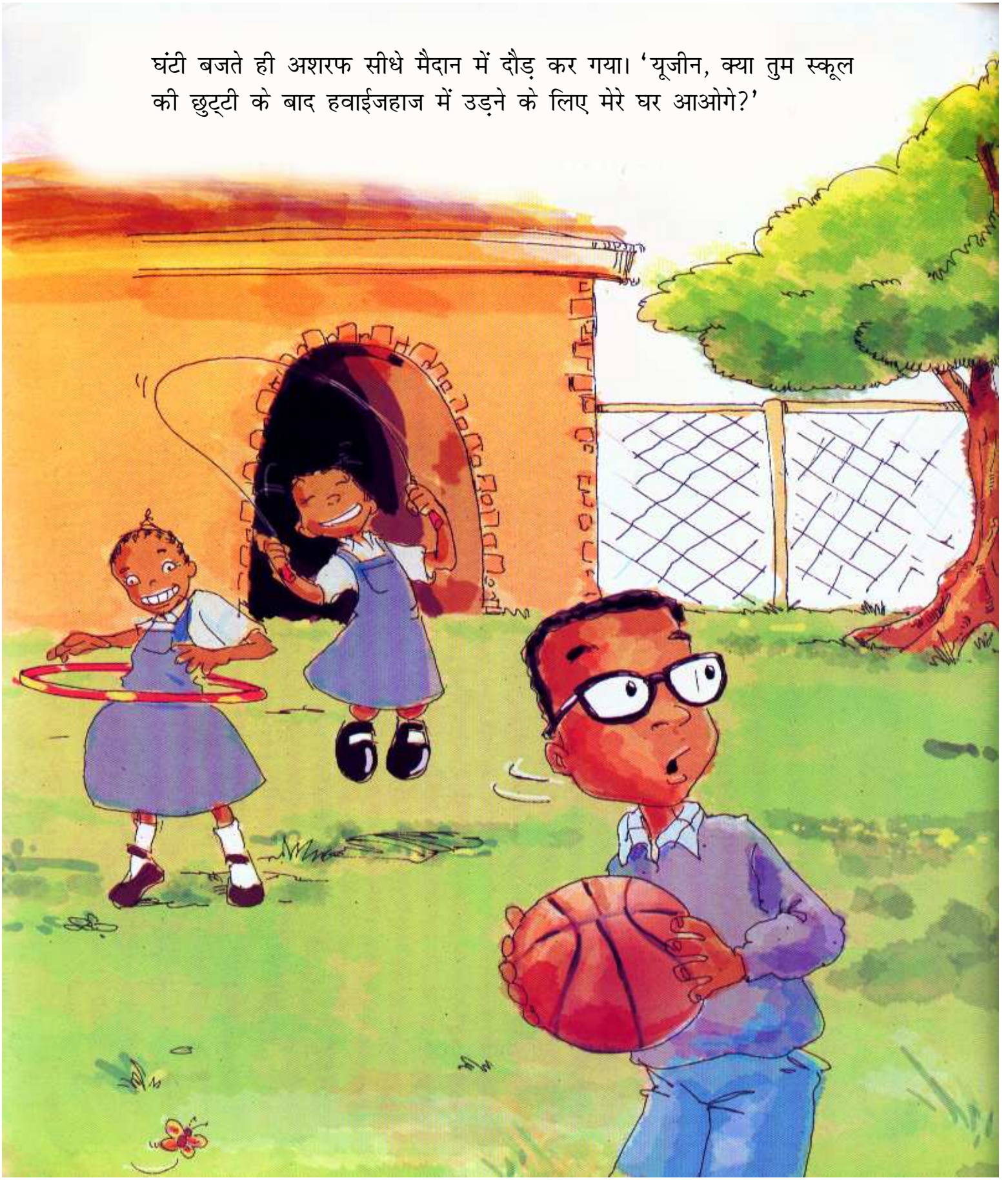

‘कौन सा हवाईजहाज?’ सेगुन जरा इधर आओ,’ यूजीन जोर से चिल्लाया।
‘अशरफ के पास एक हवाईजहाज है। तुम कहां जाना चाहोगे – बृहस्पति या शनि पर?

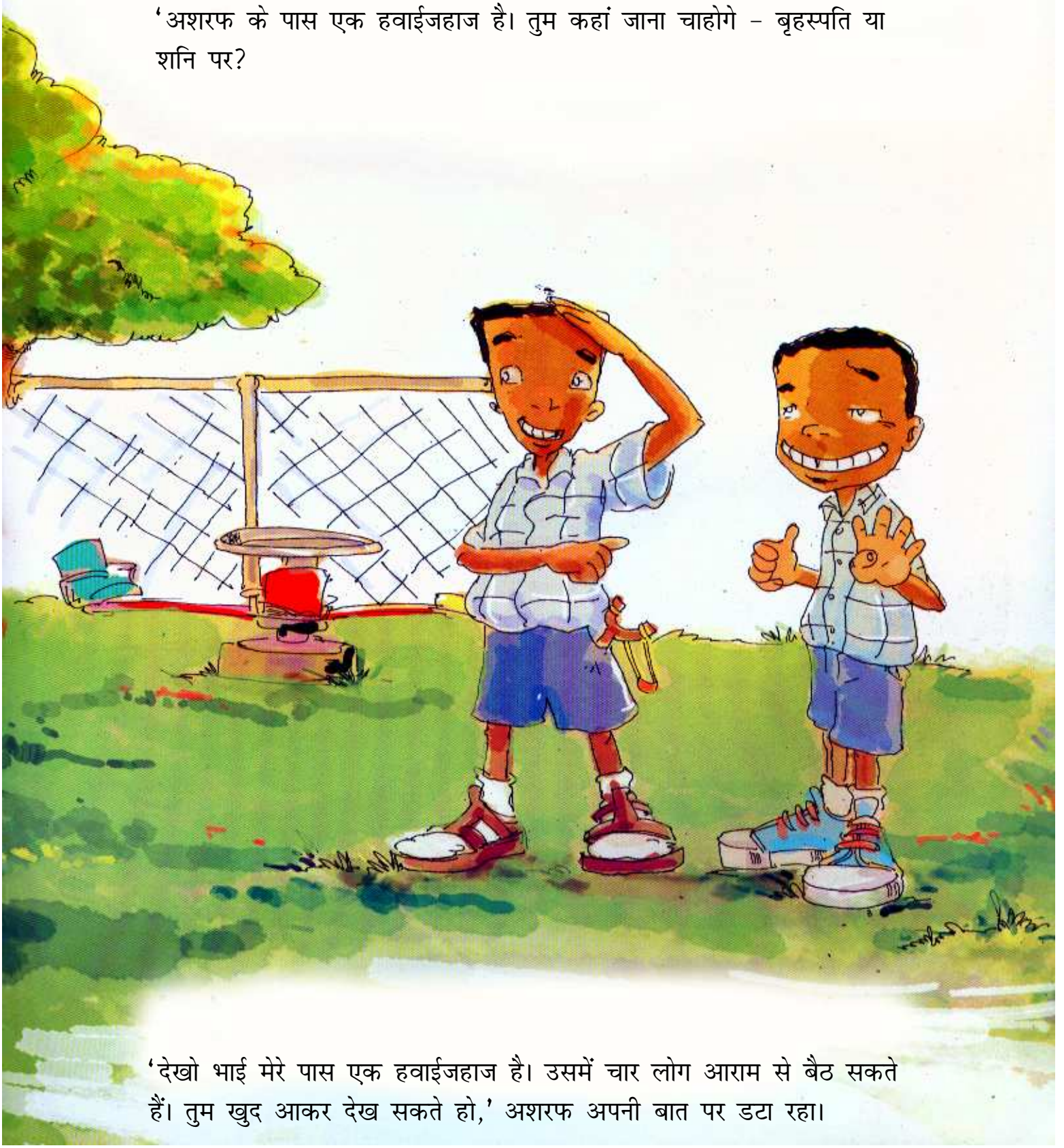

‘देखो भाई मेरे पास एक हवाईजहाज है। उसमें चार लोग आराम से बैठ सकते हैं। तुम खुद आकर देख सकते हो,’ अशरफ अपनी बात पर डटा रहा।

'पिछली बार हमें भविष्य में ले जाने के लिए तुमने टॉइम-कैप्सयूल बनाया था। कहीं यह हवाईजहाज वैसा तो नहीं है?' सेगुन ने उसे याद दिलाया।

'पिछली बार मुझे लगा कि जब मैं सो कर उठूंगा तो दो क्लास आगे वाली कक्षा में होऊंगा। इसलिए मैंने पढ़ना ही बंद कर दिया और उससे परीक्षा में मेरे बहुत कम नम्बर आए। तुमने अपने पिताजी के रेडियो के अंजर-पंजर अलग कर मुझ से कहा था कि रेडियो तरंगों से हम सब लोग अदृश्य हो जाएंगे। क्या तुम्हारा नया हवाईजहाज उस जैसा तो नहीं है?'

'मैंने सोचा कि अदृश्य होने के कारण हेडमास्टर मुझे देख नहीं पाएंगे। इसलिए मैंने उन्हें जीभ दिखाई और मुंह बनाकर उन्हें चिढ़ाया। इसकी सजा भुगतने के लिए मुझे हफ्ते के अंतिम दिन स्कूल में रुकना पड़ा,' सेगुन ने हंसते हुए कहा। 'अशरफ, लगता है तुम अपनी करतूतों से कभी बाज नहीं आओगे!'

'तुम लोग जरूर घर आना। इस बार मैंने असली फार्मूला खोज निकाला है,' अशरफ ने कहा।

'जिससे कि तुम हमें और परेशानियों में डाल सको,' सेगुन ने यूजीन को कोहनी मारते हुए कहा।

'मैं आऊंगा जरूर – कारण होगा तुम्हारी मां का बनाया स्वादिष्ट चॉकलेट केक खाने आना।'

'क्या तुमने चॉकलेट केक का नाम लिया? तो मैं भी जरूर आऊंगा!' यूजीन खुशी से चिल्लाया।

फिर तीनों मित्र खेल के मैदान की ओर बढ़े जहां कक्षा के बाकी बच्चे एक दूसरे से बातचीत करने में व्यस्त थे।

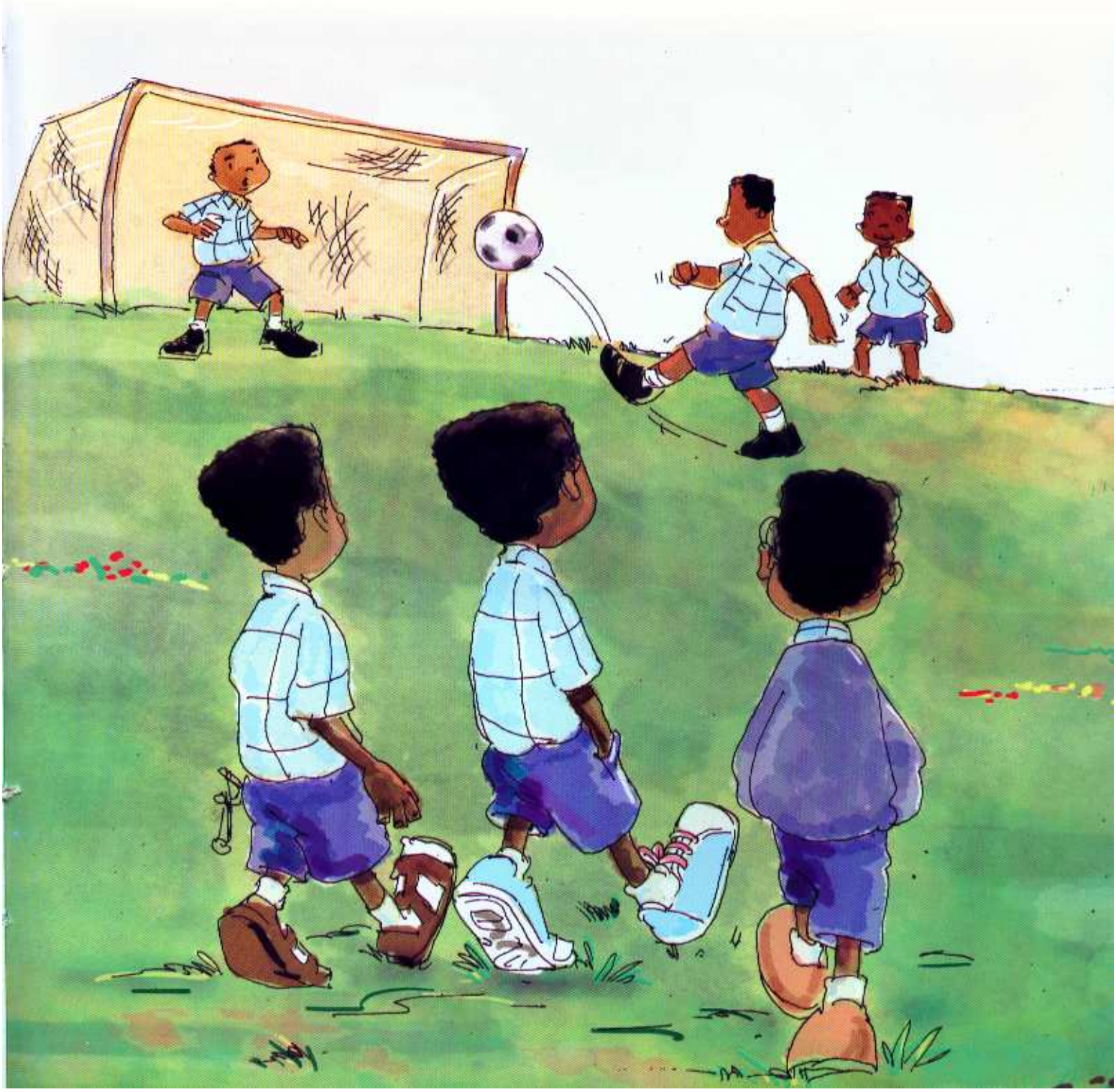

'वो देखो तीनों सूरमां आ रहे हैं। पता नहीं इस बार ये कौन सी नई शरारत रचेंगे,' सायमन ने कहा।

'उनकी बात पर ध्यान मत दो,' अशरफ ने कहा, 'और आज शाम के कार्यक्रम के बारे में उन्हें कुछ मत बताओ।'

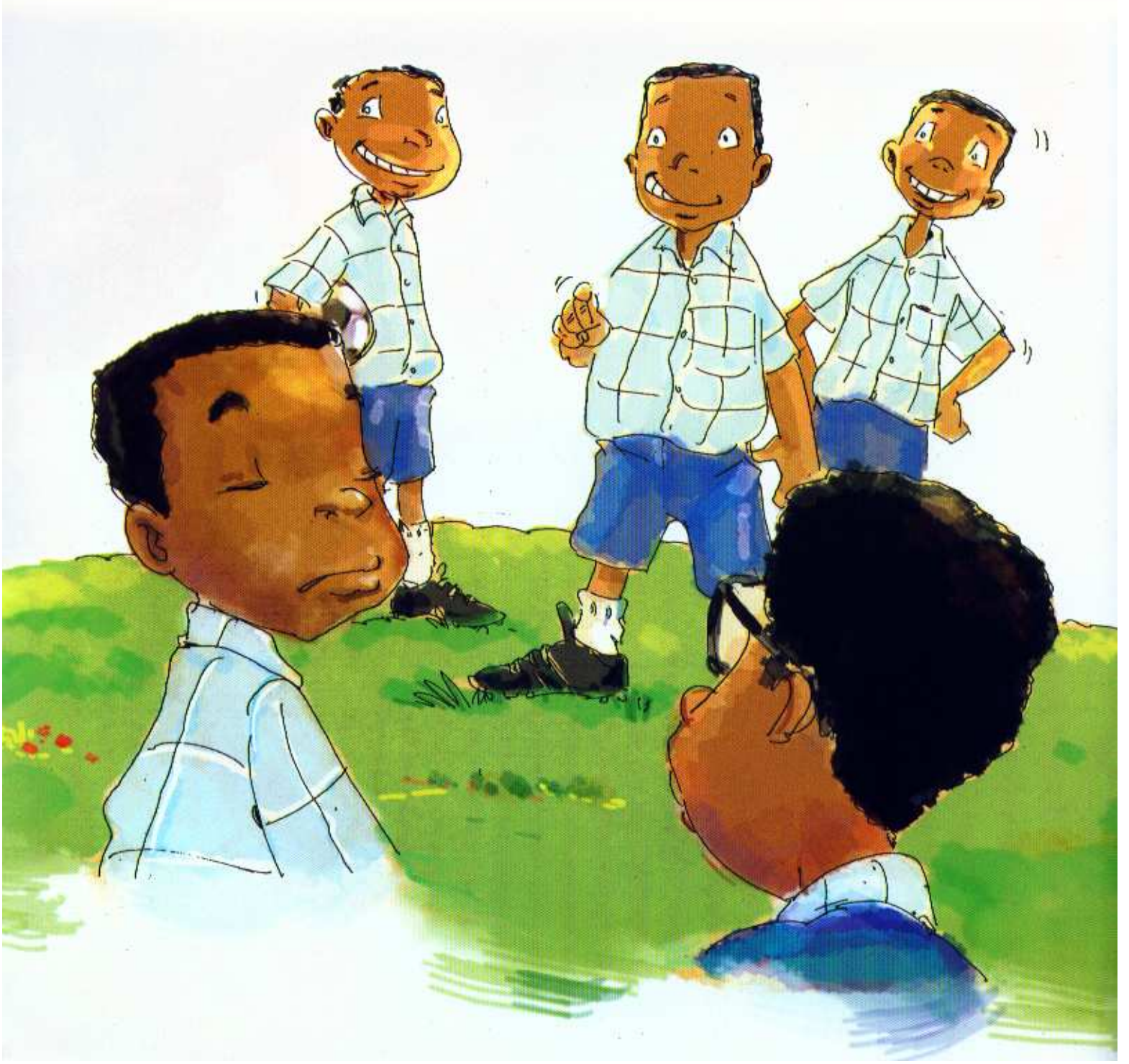

'सायमन, क्या तुम अशरफ की नई उड़न-तश्तरी देखने आओगे? हम लोग उसमें जहां जाना चाहें वहां के टिकट बुक कर सकते हैं। साल के इस समय लागोस की हवा और कानो की रेत बहुत सुन्दर होगी,' सेगुन जोर से चिल्लाया।

'तुमने ऐसा क्यों किया?' अशरफ ने गुस्से में पूछा।

'मैं माफी चाहता हूं, पर तुम्हारे बहुत सारे प्रयोग और आविष्कार नाकाम रहे हैं,' सेगुन ने कहा और वो अशरफ को पकड़ने दौड़ा।

'मैंने सोचा था कि हम दोनों दोस्त हैं। तुम्हें हर हालात में मेरी तरफदारी करनी चाहिए,' अशरफ ने गुस्से में बुदबुदाते हुए कहा।

'देखो मैं आज जरूर आऊंगा,' सेगुन ने कहा। उसके बाद सभी लोग क्लास में वापिस लौटे।

अशरफ मन-ही-मन खुश था। उसके दोस्तों ने उसे अपने नये प्रयोग दिखाने का एक और मौका दिया था। बाकी का दिन पलक झपकते बीता।

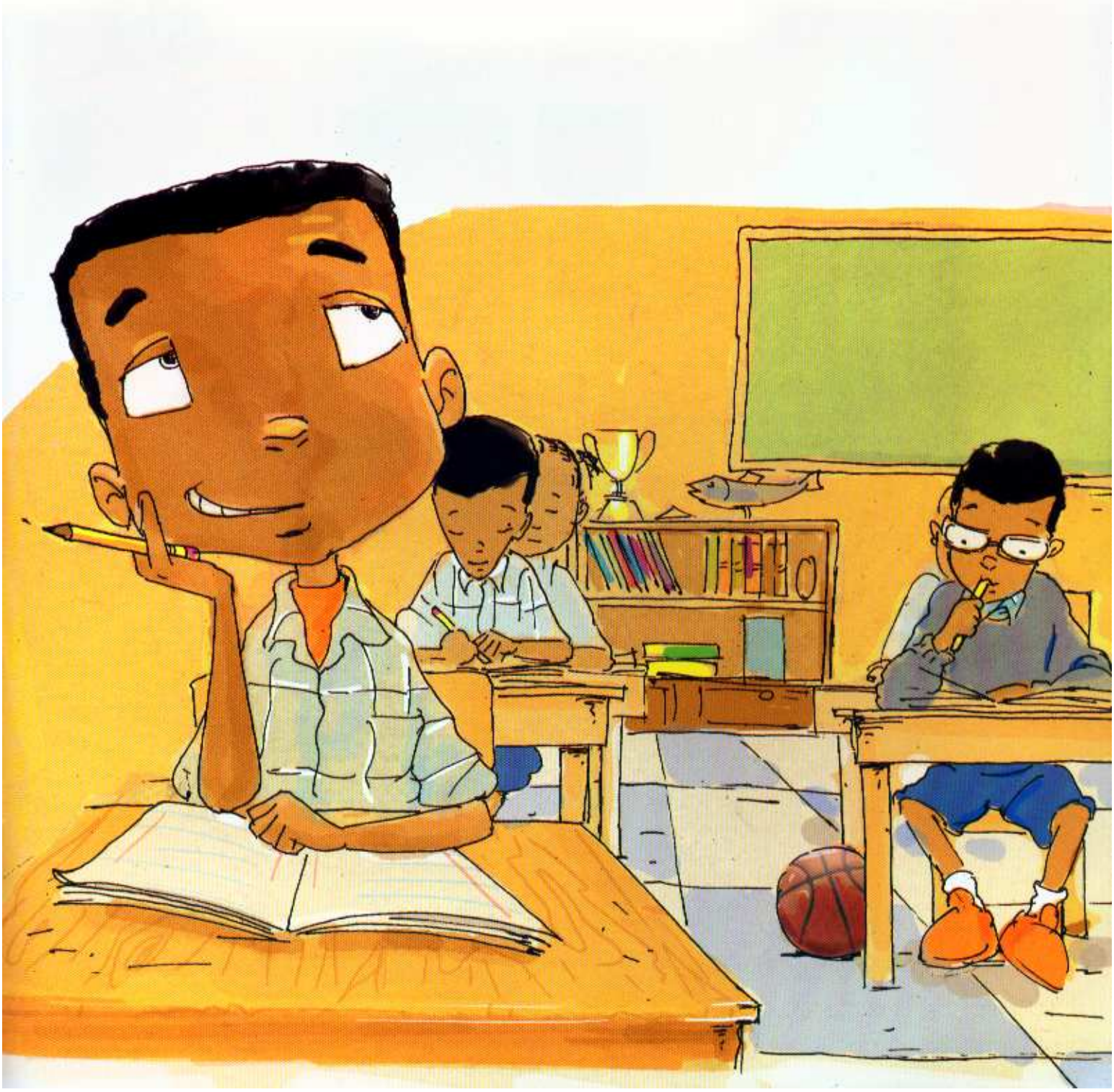

अब बस में वापिस घर जाने का वक्त हो गया था। जैसे ही बस उसके घर के पास रुकी अशरफ दौड़कर घर में गया। उसे अपने दो प्रिय मित्रों के लिए आरामदेह सीटों की जुगाड़ जो करनी थी।

वो सीधे बैठक में गया और वहां से उसने मां के दो प्रिय जामुनी रंग के कुशन उठाए। उन्हें कसकर बांधने के लिए उसे कुछ सुतली भी चाहिए थी। सुतली कहां मिलेगी यह उसे पता था। पिताजी के औजारों के डिब्बे में हमेशा सुतली रहती थी।

अब क्या काम बचा? उसे कुछ नाश्ते का इंतजाम करना था। मां का बनाया चॉकलेट केक सबको पसंद आएगा। पर केक रखने के लिए उसे दो अच्छी ट्रे चाहिए थीं।

तभी उसे अपनी दो गोल टोपियों की याद आयी। टोपियों में आराम से उसने केक रखे! अब उसे बस एक हेल्मेट की जरूरत थी। हेल्मेट पहनकर वो हवाईजहाज के कॉकपिट में बैठकर अपने दोस्तों का इंतजार करेगा।

उसने झट से अपनी साइकिल की पीली हेल्मेट उठाई और दौड़कर पीछे वाले बाग में गया। उसे इस नायाब कलाकृति को निहारने में बस एक मिनट का समय लगा।

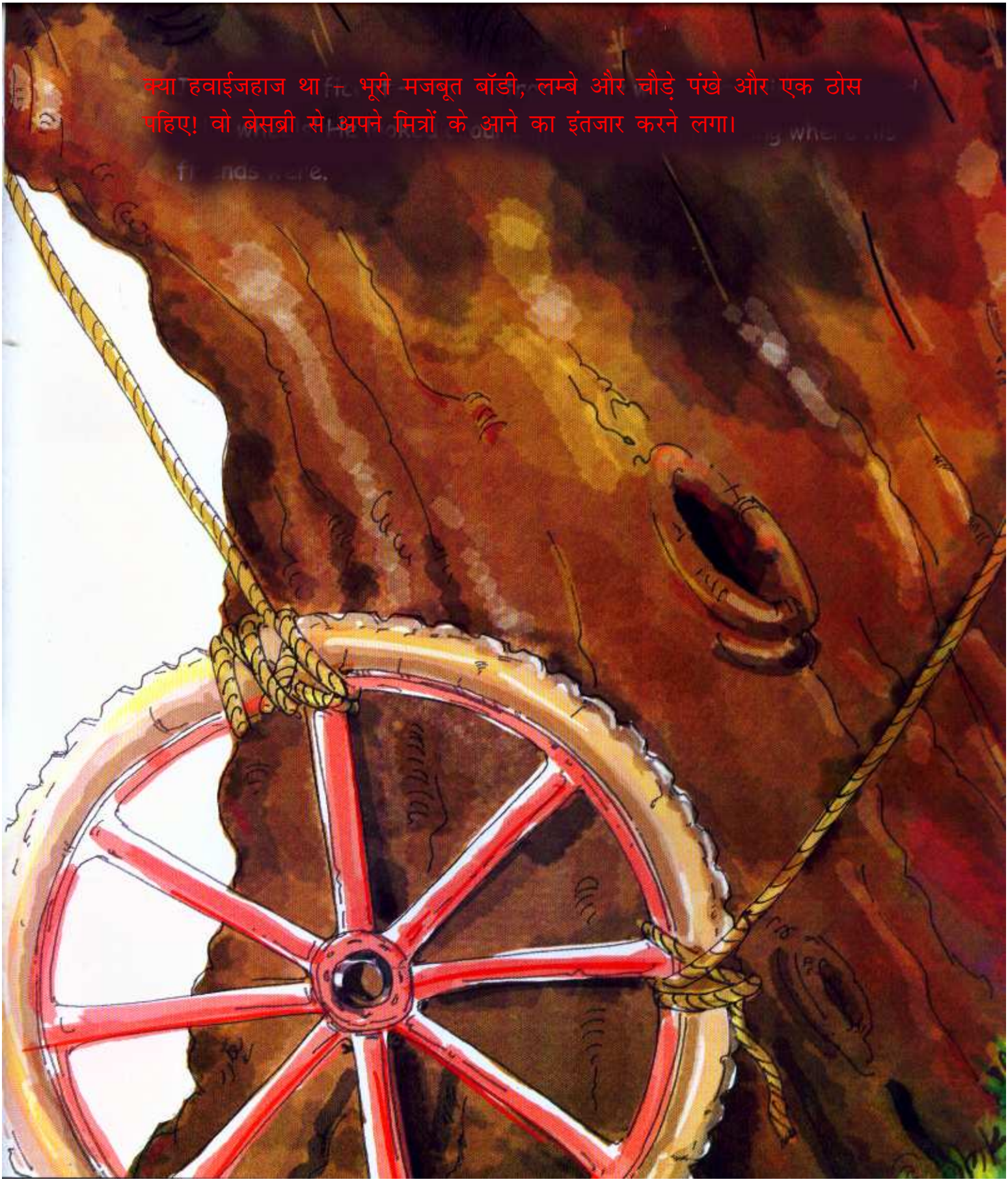
क्या हवाईजहाज था – भूरी मजबूत बॉडी, लम्बे और चौड़े पंखे और एक ठोस पहिए! वो बेसब्री से अपने मित्रों के आने का इंतजार करने लगा।

'अशरफ तुम कहां हो? तुम्हारा नया प्रयोग अच्छा होना चाहिए। मैं तुम्हारी खातिर अपने पिताजी के साथ फुटबाल का मैच देखने नहीं गया,' सेगुन ने आते ही कहा।

'आज तुम्हें बहुत मजा आएगा। जल्दी ने इधर आओ, मैं पीछे वाले बगीचे में हूं,' अशरफ ने कहा।

अशरफ जल्दी से कॉकपिट में बैठा और उसने पीला हेल्मेट पहना। वो अपने मित्रों के आने से पहले पूरी तैयारी करना चाहता था। उसने पहियों और पंखों का भी मुआयना किया और सभी को उड़ान के लिए फिट पाया।

'जल्दी करो, हमें खाने के समय तक वापिस लौटना है!' अशरफ जोर से चिल्लाया।

अशरफ को अपनी ओर आते हुए एक शोर सा सुनाई दिया। शोर धीरे-धीरे और तेज होता गया। कॉकपिट के बाहर अपनी गर्दन निकाल कर माजरे का जायजा लेते वक्त अशरफ अपनी कमजोर सीट से लगभग गिरने लगा।

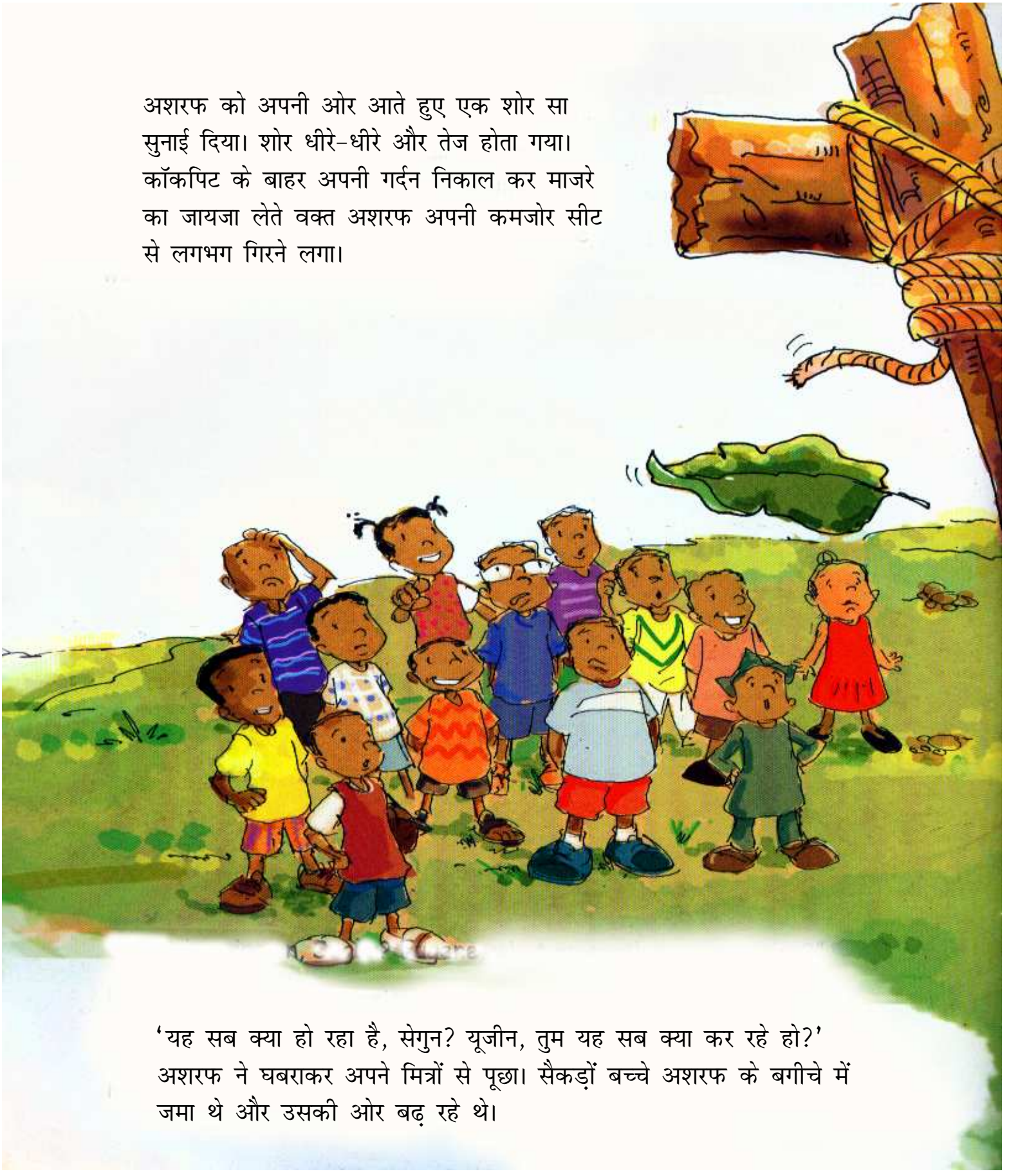

'यह सब क्या हो रहा है, सेगुन? यूजीन, तुम यह सब क्या कर रहे हो?' अशरफ ने घबराकर अपने मित्रों से पूछा। सैकड़ों बच्चे अशरफ के बगीचे में जमा थे और उसकी ओर बढ़ रहे थे।

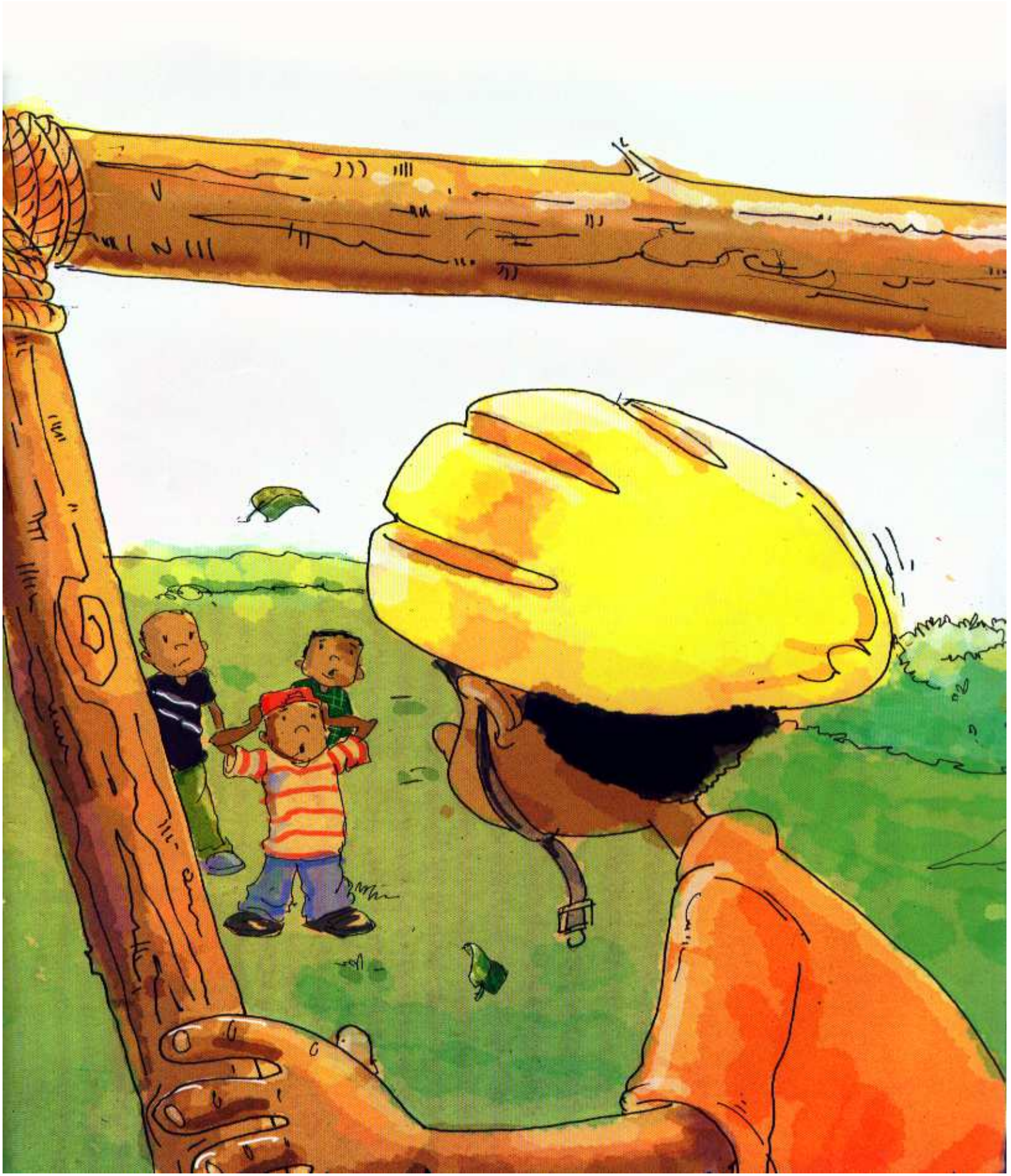

अशरफ को चारों तरफ से बच्चों ने घेर रखा था। वे उसकी ओर ताक रहे थे और सभी एक-साथ बोल रहे थे।

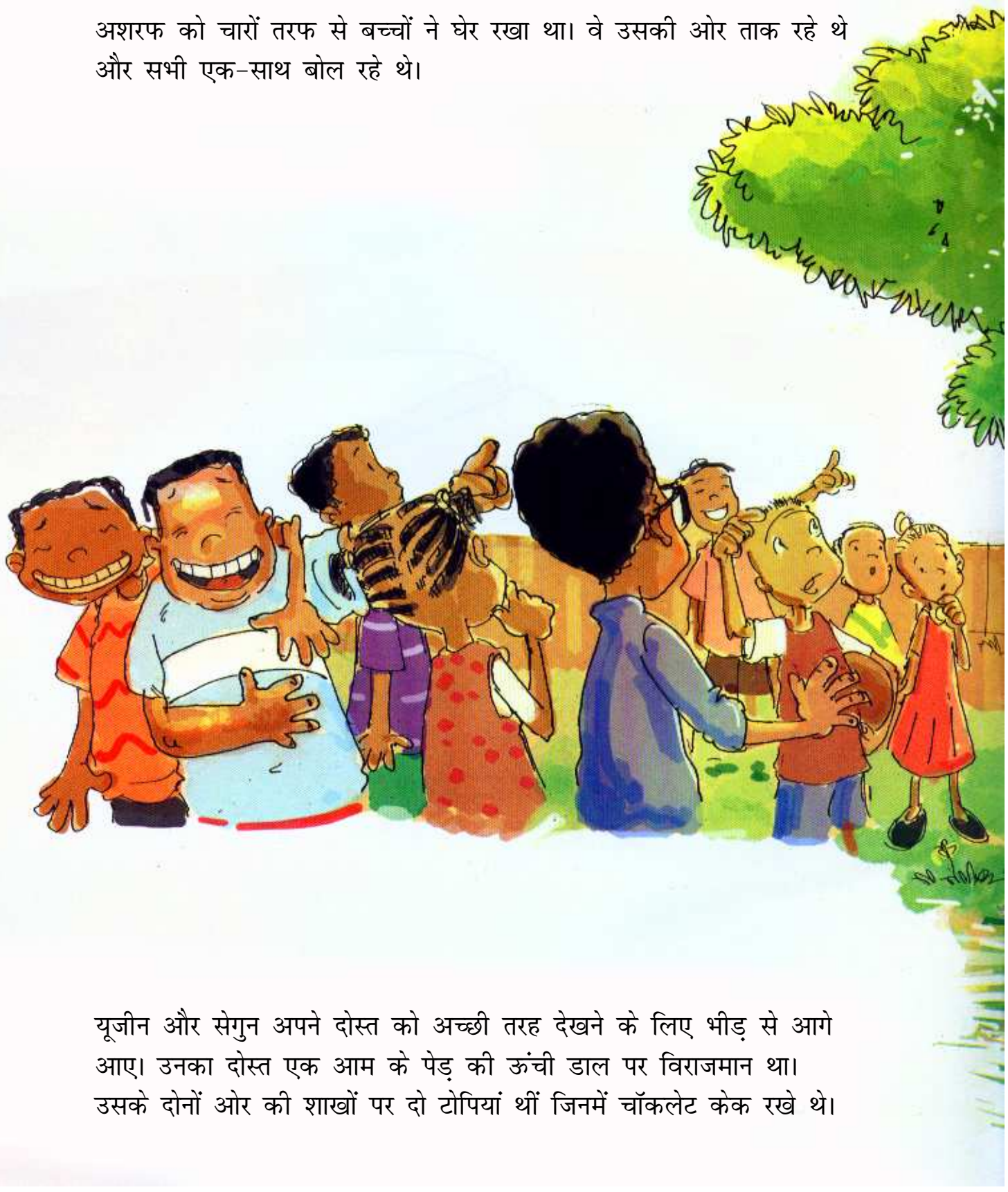

यूजीन और सेगुन अपने दोस्त को अच्छी तरह देखने के लिए भीड़ से आगे आए। उनका दोस्त एक आम के पेड़ की ऊंची डाल पर विराजमान था। उसके दोनों ओर की शाखों पर दो टोपियां थीं जिनमें चॉकलेट केक रखे थे।

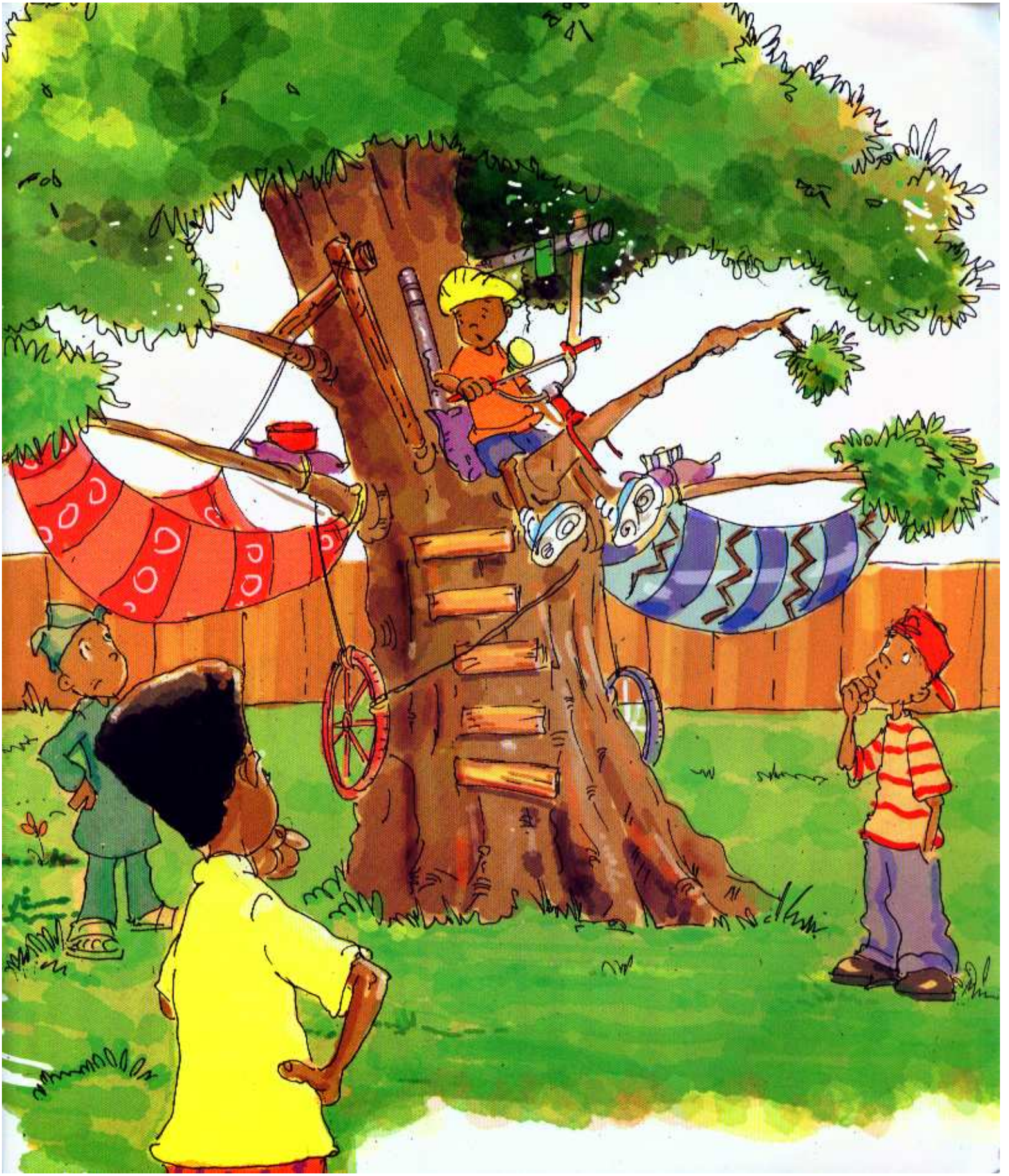

'कम-से-कम तुम्हारी कल्पनाशक्ति तो जबरदस्त है,' सेगुन ने कहा, 'चलो, ऊपर चढ़कर अपना केक तो लें।' यह कह कर दोनों दोस्त अशरफ से मिलने पेड़ पर चढ़े।

'भला कैसी है यह उड़न-तश्तरी,' बच्चों ने कहा। 'बस एक पेड़ भर है।'
निराश होकर बच्चे एक-के-बाद-एक करके वहां से खिसकने लगे।

'अशरफ, तुम्हें वाकई में सबका ध्यान आकर्षित करना
आता है। वैसे केक बहुत बढ़िया है,' यूजीन ने कहा।

अशरफ गुमसुम सा अपने काल्पनिक कॉकपिट में बैठा रहा। 'तुम्हें सब बच्चों को इसके बारे में नहीं बताना चाहिए था। अब मैं उन्हें स्कूल में अपना मुंह कभी नहीं दिखा सकूंगा,' अशरफ ने गंभीर लहजे में कहा।

'देखो अशरफ मुझे तुम्हारे सभी सिरफिरे विचार पसंद आते हैं। हो सकता है बड़े होकर तुम सचमुच में उन चीजों को बनाओ,' सेगुन ने प्रोत्साहित करते हुए कहा। 'आज तो हम जरूर तुम्हारी मदद करेंगे परन्तु बृहमांड में जाने के लिए तुम्हें अवश्य पेड़ से कुछ बेहतर चीज चाहिए होगी।'

'अपनी विज्ञान की किताबों में आविष्कारों के बारे में पढ़ कर हम लोग भी छोटे-छोटे प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं - जैसे सूर्य की ऊर्जा से अंडा उबालना आदि,' यूजीन ने सहमति जताते हुए कहा।

'तुम दोनों एकदम महान हो,' अशरफ ने अपने साथियों को गले लगाते हुए कहा।

'जरा ध्यान से खुद को संभालो नहीं तो हम सभी लोग पेड़ से गिरेंगे!' यूजीन ने हिदायत दी। 'और फिर अशरफ को हमें बचाने के लिए तुरन्त एक पैराशूट इजाद करनी पड़ेगी,' उसने हंसते हुए कहा। फिर तीनों मित्र पेड़ से नीचे उतरे।

Ashraf
The Flying Saucer

अशरफ - उड़ने वाली मशीन

अशरफ विज्ञान के नये प्रयोग रचने और नई-नई मशीनें इजाद करने का सिलसिला लगातार जारी रखता है। अपने नये आविष्कार - **उड़ने वाली मशीन** में अशरफ गुरुत्व के नियमों को चुनौती देता है। आप ही तय करें कि वो इसमें कितना कामयाब हुआ है।

978 978 50349 3 6

Mocking
Mockingbird Books